सरदार पटेल विश्वविद्यालय,मण्डी (हि.प्र.)

www.spumandi.ac.in

(हिमाचल प्रदेश विधान सभा अधिनियम संख्या 03, वर्ष 2022 के अंतर्गत स्थापित तथा UGC अधिनियम, 1956 की धारा 2(एफ) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त)

पाठ्यक्रम

शास्त्री प्रथम वर्ष

(B.A. Ist Year)

समकक्ष

एकवर्षात्मक शास्त्री (स्नातक) पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र

(Shastri Ist Year equivalent to Shastri Course Certificate)

2026-27

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति" 2020

सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी के अन्तर्गत

संस्कृत महाविद्यालयों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

विषय-सूची

क्रम संख्या	विषय-वस्तु	पृष्ठ संख्या
1	अधोलिखित पाठ्यक्रम समीति (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त (Proceedings)	1
2	सरदार पटेल विश्वविद्यालय की दृष्टि (Vision)	2
3	सरदार पटेल विश्वविद्यालय का ध्येय (Mission)	2
4	संस्थागत कार्यक्रम रूपरेखा (Institutional Program Framework)	
	i. कार्यक्रम शैक्षिक उद्देश्य (Program Educational Objectives)	3-4
	ii. कार्यक्रम अधिगम परिणाम (Program Outcomes)	4
	iii. कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम (Program Specific Outcomes)	4-5
5	राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Year 2026- 27 के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम	6-9
6	सेमेस्टरवार क्रेडिट वितरण (**Curriculum and Credit Framework**)	10-11
7	पाठ्यक्रम (Syllabus)	12-118

सरदार पटेल विश्वविद्यालय,मण्डी (हि.प्र.)

शास्त्री विषय के स्नातक पाठ्यक्रम हेतु अधोलिखित पाठ्यक्रम समीति (Board of Studies) की बैठक का कार्यवृत्त (Proceeding)

सरदार पटेल विश्वविद्यालय , मण्डी (हि.प्र) के पत्रांक संख्या No. SPU-Mandi/DAA/2026-1984-90 दिनांकः 01/06/2026 द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2026-27 से आरम्भ स्नातक स्तरीय प्राक् शास्त्री व शास्त्री पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु अधोलिखित पाठ्यक्रम समीति (Board of Studies) का गठन किया गया -------

Name	Designation	University/College	Role
Dr. Chetan Chauhan	Asst. Professor	SPU, Mandi	Coordinator
Dr. Khushwant Singh	Principal (officiating)	Govt. Sanskrit College Sundernagar	Chairperson
Dr. Sushil Gautam	Asst. Professor	Govt. Sanskrit College Sundernagar	Member
Dr. Manjeet Kumar	Asst. Professor	Govt. Sanskrit College Sundernagar	Member
Dr. Jai Krishan	Asst. Professor	Govt. Sanskrit College Chamba	Member

उपरोक्त गठित विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम समीति के पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में दिनांक 10 जून,2026 को Offline/Online माध्यम से बैठक का आयोजन किया गया |जिसमें सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी (हि.प्र) की ओर से जारी पाठ्यक्रम निर्देशों के सम्बन्ध में चर्चा की गई | इसके पश्चात दिनांक 12 जून,2026 ,13 जून,2026 व 24 जून,2026को पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य किया गया | प्राक् शास्त्री व शास्त्री पाठ्यक्रम समीति द्वारा शास्त्री पथम वर्ष के दो सत्रों (First Sem. & Second Sem.) का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुमोदन हेतु जारी किया जा रहा है|

पाठ्यक्रम (अध्ययन)समीति सदस्य :

विश्वविद्यालय की दृष्टि (Vision)

शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान, नवाचार तथा सामुदायिक सहभागिता में उत्कृष्टता के प्रति समर्पित एक अग्रणी बहुविषयक विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित होना, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप सक्षम, नैतिक एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी स्नातकों का निर्माण कर सतत विकास तथा राष्ट्र-निर्माण में योगदान दे।

विश्वविद्यालय का ध्येय(Mission)

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप लचीले, बहुविषयक एवं शिक्षार्थी-केंद्रित शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा प्रदान करना।
- स्थानीय, राष्ट्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार एवं अनुसंधान संस्कृति को प्रोत्साहित करना।
- ज्ञान, कौशल, मूल्यों, नैतिकता, पर्यावरणीय चेतना एवं संवैधानिक दायित्वों के समन्वय द्वारा विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना।
- इंटर्नशिप, कौशल विकास एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से उद्योग-अकादमिक सहयोग, अनुभवात्मक अधिगम, उद्यमिता तथा रोजगारोन्मुखता को सुदृढ़ बनाना।
- वैश्विक दृष्टिकोण को अपनाते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत एवं क्षेत्रीय आकांक्षाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देना।

- सतत विकास एवं समाज के कल्याण हेतु आजीवन अधिगम, नेतृत्व क्षमता, समावेशिता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना।

संस्थागत कार्यक्रम रूपरेखा (Institutional Programme Framework)

i. शास्त्री स्नातक स्तरीय अधिगम का शैक्षिक उद्देश्य (UG SHASTRI (B.A.) Programme Educational Objectives)

- विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयामों का व्यापक एवं गहन ज्ञान विकसित करना।
- वैदिक, शास्त्रीय एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य के अध्ययन के माध्यम से तार्किक, आलोचनात्मक, विश्लेषणात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन क्षमता का विकास करना।
- नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना, मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक समरसता तथा उत्तरदायी नागरिकता की भावना को प्रोत्साहित करना।
- संस्कृत ज्ञान एवं भारतीय बौद्धिक परम्परा को समकालीन आवश्यकताओं, अनुसंधान, शिक्षा, नवाचार तथा समाजोपयोगी कार्यों से जोड़ने की क्षमता विकसित करना।
- प्रभावी संप्रेषण कौशल, नेतृत्व क्षमता, डिजिटल साक्षरता, सहयोगात्मक कार्य संस्कृति तथा आजीवन अधिगम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

- विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान, अध्यापन, प्रशासनिक सेवाओं, अनुवाद, प्रकाशन तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में सफल योगदान हेतु आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं दक्षताओं से सम्पन्न बनाना।
- छात्रगण संस्कृत एवं भारतीय बौद्धिक परम्परा में निहित ज्ञान को समकालीन आवश्यकताओं, शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा समाजोपयोगी कार्यों के साथ समन्वित कर व्यावहारिक जीवन में प्रभावी रूप से लागू करने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थियों में प्रभावी मौखिक एवं लिखित संप्रेषण कौशल, नेतृत्व क्षमता, डिजिटल साक्षरता, टीम भावना तथा आजीवन अधिगम की प्रवृत्ति विकसित होगी, जिससे वे बदलते वैश्विक परिवेश के अनुरूप स्वयं को विकसित कर सकेंगे।
- छात्रगण उच्च शिक्षा, अनुसंधान, अध्यापन, प्रशासनिक सेवाओं, अनुवाद, प्रकाशन, सांस्कृतिक संस्थानों तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक योगदान देने हेतु आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं दक्षताओं से सम्पन्न होंगे।

ii. शास्त्री स्नातक स्तरीय अधिगम की उपलब्धियां (UG SHASTRI (B.A.) Programme Outcome)

- छात्रगण भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की आधारभूत प्राच्यविद्या के अन्तर्गत वेद, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, दर्शन, धर्मशास्त्र आदि शास्त्रीय विषयों के अध्ययन से भारतीय ज्ञानपरम्परा को आत्मसात् कर संरक्षित एवं संवर्धित करेंगे।
- भारतीय ज्ञान परम्परा के प्राणभूत वेद, पुराण, न्यायशास्त्र, नाट्यशास्त्र, वास्तुशास्त्र, योग, आयुर्वेद, अलंकारशास्त्र, छन्दशाख, खगोलशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र आदि विविध विद्याओं का अध्ययन कर वेदों तथा शास्त्रों में निरूपित ज्ञान और विज्ञान को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में सक्षम होंगे।

iii. शास्त्रीय स्नातक स्तरीय निर्धारित कार्यक्रम की उपलब्धियां (UG SHASTRI (B.A.) Programme Specific Outcome)

- वैदिक संस्कृत साहित्य एवं लौकिक संस्कृत साहित्य में निहित मानवीय मूल्य एवं शैक्षिक मूल्यों को आत्मसात् कर धर्म, दर्शन, आचार व्यवहार, नीति साहित्य एवं ऋषिमुनियों के मौलिक चिंतन को समझकर सभ्य, सुसंस्कृत एवं चरित्रवान् नागरिक बन सकेंगे।
- व्याकरणशास्त्र का अध्ययन करने से शब्दव्युत्पत्ति एवं प्रवृत्तिविषयक ज्ञान से संस्कृत भाषा का विशुद्ध रूप से प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- साहित्यशास्त्र का अध्ययन करने से काव्य की विविध विधाओं से अवगत होंगे, फलस्वरूप नूतन साहित्य निर्माण, व्यावहारिक ज्ञान तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के अवगमन में समर्थ होंगे, और अभिनयकौशल, श्लोकगायन, लोकगीत व स्तोत्र पाठ आदि के गायन में निपुण होंगे।
- ज्योतिषशास्त्र का अध्ययन करके खगोल विज्ञान, पंचांग निर्माण, फलादेश वर्ष पद्धति तथा मुहूर्त निर्धारण करने में सक्षम हो पाएंगे।
- योगशास्त्र के अध्ययन एवं अनुप्रयोग से शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्राप्त कर सकेंगे।
- पारम्परिकशास्त्रों के अध्ययन से ज्योतिर्विद, पौरोहित्यविद्, वास्तुशास्त्री, योगप्रशिक्षक, कथावाचक, प्रेरक वक्ता, धर्मगुरू, शिक्षक, भाषाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, साहित्यकार, अनुवादक इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बन सकेंगे|

सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी के अन्तर्गत

संस्कृत महाविद्यालयों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Year 2026-27 के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम

SHASTRI (B.A.) में प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता-

किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय से 10+2 उत्तीर्ण अथवा 10+2 के समकक्ष प्राक-शास्त्री / उत्तरमध्यमा आदि उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी शास्त्री (बी.ए.) पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए पात्र होंगे।

स्नातक पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क -2022 (UGCF) का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यवस्थागत परिवर्तन लाना और इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुरूप बनाना है।

1. **शैक्षिक क्रेडिट (Academic Credit)---** शैक्षिक क्रेडिट एक इकाई है जिससे पाठ्यक्रम कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह शिक्षण के लिए समय को निर्धारित करता है, जैसे यदि 4 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है तो सप्ताह में चार घंटे का अध्यापन अनिवार्य होगा। एक क्रेडिट शिक्षण अवधि के एक घण्टे के बराबर होगा। अथवा प्रायोगिक कार्य के दो घण्टे का एक क्रेडिट होगा।

2. **अध्ययन का पाठ्यक्रम---** यह किसी विशिष्ट विषय में अध्ययन का संकेत करता है। प्रत्येक विषय तीन श्रेणियों में विभाजित होगा, अर्थात् विषय-विशिष्ट कोर (DSC), विषय-विशिष्ट इलेक्टिव (DSE) और माइनर कोर्स (MC)

A. विषय-विशिष्ट कोर - Discipline Specific Core (DSC) 4 Credits -

विषय-विशिष्ट कोर छात्र द्वारा अनिवार्य विषय के रूप में पढा जाएगा, संस्कृत महाविद्यालय में विषयविशिष्ट कोर DSC 1 A के रूप में शास्त्रीय (परम्परागत) विषय व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेद, ज्योतिष पढाए जाएंगे और DSC 1 B में आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और इतिहास पढाए जाएंगे।

माइनर कोर्स - Minor Course (MC) 4 Credits -

शास्त्री पाठ्यक्रम में माइनर कोर्स के अन्तर्गत शास्त्रीय विषय **व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेद, ज्योतिष** पढ़ाए जाएँगे। प्रत्येक सत्रार्द्ध में छात्रों द्वारा **Minor Course** का एक विषय पढा जाएगा। जो विषय DSC में पढ़ा जाएगा MC में उससे भिन्न विषय होगा।

नोट - यदि छात्र **MC** को **DSC** के रूप में पढना चाहता है तो तृतीय सत्र के आरम्भ में वह बदल सकता है, अर्थात् **MC DSC** के रूप में व **DSC MC** के रूप में बदला जा सकेगा, और यह परिवर्तन केवल शास्त्रीय विषयों में ही होगा।

B. बहुविषयक पाठ्यक्रम - Multidisciplinary Courses (MDC) 3 Credits -

इसके अन्तर्गत विषय-विशिष्ट कोर **(DSC)** व माइनर कोर्स **(MC)** के अतिरिक्त भिन्न विषय रहेंगे। छात्र **MDC** पाठ्यक्रम **I, II, III** सत्रार्द्धों में पढ़ेंगे। छात्र को **MDC** में शास्त्रीय व आधुनिक दोनो प्रकार के विषय में से किसी एक विषय का चयन करना होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत अथवा हिन्दी या अंग्रेजी भी हो सकता है। **MDC** पाठ्यक्रम का समूह पेज नम्बर - 5 में दर्शाया गया है।

C. कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC) 3 Credits -

यह पाठ्यक्रम सभी विषयों में कौशल-आधारित हैं और इसका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण व कौशल प्रदान करना है। यह **SEC** पाठ्यक्रम सभी शास्त्रीय विषयों का ही होगा। छात्र जिस शास्त्रीय विषय को **DSC** अथवा **MC** के रूप में पढेगा उसी विषय से सम्बन्धित कम से कम दो

SEC पाठ्यक्रम पढने होंगे। तीसरा SEC पाठ्यक्रम छात्र अपनी रुचि के अनुसार पढ सकेगा, इनका अध्ययन छात्र I, II, III सत्रार्द्धौं में करेगा।

D. योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC) 2 Credits -

यह पाठ्यक्रम अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान की ओर ले जाने वाली सामग्री पर आधारित हैं। इसके अन्तर्गत छात्र को I से III सत्रार्द्ध तक अंग्रेजी व हिन्दी भाषा को पढना अनिवार्य होगा यदि छात्र प्रथम सत्र DSC 1 B में अंग्रेजी पढता है तो उसे AEC में हिन्दी पढनी पडेगी अन्यथा अंग्रेजी अनिवार्य रहेगी।

E. Internship / Apprenticeship / Project / Community Outreach (I/A/P/C) 4 Credits-

इस पाठ्यक्रम में छात्रों को विशेष व्यवसायिक व कार्य अनुभव के लिए शिक्षा संस्थान के बाहर किसी शैक्षिक गतिविधि में भाग लेने की आवश्यकता होती है, सामान्य रूप से किसी बाहरी इकाई के विशेषज्ञ की देखरेख में कार्य करना पडता है| I/A/P/C का मुख्य उद्देश्य वास्तविक कार्य स्थितियों में उपस्थित होकर अनुभव प्राप्त करना है। I/A/P/C में स्थानीय उद्योग, सरकारी या निजी संगठनों, व्यवसायिक संगठनों, कलाकारों, शिल्पकारों और इसी तरह की विषय-सम्बन्धित संस्थाओं के साथ काम करना आवश्यक है ताकि छात्रों को मौके पर (On site) अनुभवात्मक सीखने का अवसर मिल सके। इसमें महाविद्यालय के Placement Cell का दायित्व होगा कि सेना के अधिकारियों, विभिन्न न्यासों के द्वारा संचालित मन्दिर आदि संस्थाओं के अधिकारियों, सरकार, विविध विश्वविद्यालयों और विभिन्न कार्यों को प्रदान करने वाली संस्थाओं के साथ सम्पर्क करके I/A/P/C का प्रबन्ध करे। यदि किन्हीं कारणों से महाविद्यालय उपर्युक्त बाहरी संस्थाओं में व्यवस्था न करवा सके तो महाविद्यालय स्वयं ही I/A/P/C का प्रबन्धन करे। यह पाठ्यक्रम II सत्रार्द्ध में अनिवार्य रूप में और IV सत्र में VAC 3 के विकल्प के रूप में पढ़ाया जायगा।

F. मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम (VALUE ADDITION COURSE) (2 Credits)

यह पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों का सामान्य समूह है और इसका उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण के लिए नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों को छात्रों में विकसित करना है और आलोचनात्मक सोच, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वैज्ञानिक स्वभाव, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और समूह कार्य (Team Work) को बढ़ावा देने के साथ साथ छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है। इसके अन्तर्गत सभी छात्रों को II सत्रार्द्ध में **Indian Knowledge System** पढ़ना होगा।

Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Program

SHASTRI (B.A.) 1 Year

(स्नातक कार्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या एवं क्रेडिट ढाँचा शास्त्री (बी.ए.) – प्रथम वर्ष)

Course & Academic Level	Semester	Discipline Specific Core (DSC) Credit - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credit - 4	Minor Course (MC) Credit-4	Multidisciplinary Course (MDC) Credit-3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credit-3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credit-2	Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach Credit -4	Value Addedition Courses (VAC) Credit- 2	Total Credit
Introductory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 A- व्याकरण VYA / साहित्य SAH / दर्शन/ DAR / वेद VED / ज्योतिष JYT DSC 1 B - हिन्दी / अंग्रेजी / इतिहास / राजनीति शास्त्र		MC 1 - व्याकरण VYA / साहित्य SAH / दर्शन/ DAR / वेद VED / ज्योतिष JYT	MDC 1- व्याकरण VYA / साहित्य SAH / दर्शन/ DAR / वेद VED / ज्योतिष JYT हिन्दी / अंग्रेजी / इतिहास / राजनीति शास्त्र /कम्प्यूटर	SEC 1- व्याकरण VYA / साहित्य SAH / दर्शन/ DAR / वेद VED / ज्योतिष JYT	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A- व्याकरण VYA / साहित्य SAH / दर्शन/ DAR / वेद VED / ज्योतिष JYT DSC 2 B -		MC 2 - व्याकरण VYA / साहित्य SAH / दर्शन/ DAR / वेद VED / ज्योतिष JYT	MDC 2- व्याकरण VYA / साहित्य SAH / दर्शन/ DAR / वेद VED / ज्योतिष JYT	SEC 2- व्याकरण VYA / साहित्य SAH / दर्शन/ DAR / वेद VED / ज्योतिष JYT		I/A/P/C -1 As per Guideline of SPU Mandi	VAC- IKS (Indian Knowledge System)	24

		हिन्दी / अंग्रेजी / इतिहास / राजनीति शास्त्र			हिन्दी / अंग्रेजी / इतिहास / राजनीति शास्त्र /कम्प्यूटर					
Level 4.5	Exit 1	Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (In the Shastri Course) After Securing 44 Credits in Semester-I & II								44

MDC पाठ्यक्रम का समूह

शास्त्रीय विषय ---

सत्रार्द्ध	व्याकरण	साहित्य	दर्शन	वेद	ज्योतिष
I	लघुसिद्धांतकौमुदी I	संस्कृतसाहित्यपरिचय I	न्यायवैशेषिकपरिचय	सामान्यपूजन विधि	ज्योतिष शास्त्र- I
II	लघुसिद्धांतकौमुदी II	संस्कृतसाहित्यपरिचय II	सांख्ययोगपरिचय	कर्मकाण्डप्रवेश	ज्योतिष शास्त्र- II

आधुनिक विषय ---

सत्रार्द्ध	हिन्दी	अंग्रेजी	इतिहास	राजनीति शास्त्र	कम्प्यूटर
I	साहित्य और इतिहास	Literature and Ethics	MDC (इतिहास)	Rights to Ideas and Movements	MDC (कम्प्यूटर)
II	हिन्दी व्याकरण और कम्प्यूटर	Literature and Society	MDC (इतिहास)	Indian Constitution And Introduction	MDC (कम्प्यूटर)

SEC पाठ्यक्रम (3 Credits)

शास्त्रीय विषय ---

सत्रार्द्ध	व्याकरण	साहित्य	दर्शन	वेद	ज्योतिष

I	अनुप्रयुक्तव्याकरण I	छन्दगायन कौशल	प्रमाणविचार	पारस्करोक्त होमविधि	कुण्डली विज्ञान-कौशल-I
II	अनुप्रयुक्तव्याकरण II	प्रयोग कौशल	पदार्थप्रवेश	पारस्करोक्त विवाह संस्कार	कुण्डली विज्ञान-कौशल-II

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Year

पाठ्यक्रमरूपरेखा

1

व्याकरणशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Semester	Discipline Specific Core (DSC) Credit - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credit - 4	Minor Course (MC) Credit-4	Multidisciplinary Course (MDC) Credit-3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credit-3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credit-2	Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach Credit -4	Value Addedition Courses (VAC) Credit- 2	Total Credit
Introductory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 A- VYA व्याकरण - सोपानम्- I DSC 1 B - हिन्दी/अंग्रेजी/ इतिहास/ राजनीतिशास्त्र		MC 1 - VYA व्याकरण - सोपानम्- I	MDC 1- VYA लघुसिद्धान्त- कौमुदी- I	SEC 1- VYA प्रयोगकौशलम्-I (वर्ण -सन्धीनाम्)	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A- VYA व्याकरण - सोपानम्- II		MC 2 - VYA व्याकरण - सोपानम्- II	MDC 2- VYA लघुसिद्धान्त- कौमुदी- II	SEC 2- VYA प्रयोगकौशलम्-II (सुबन्तानाम्)		I/A/P/C -1 As per Guideline of SPU Mandi	VAC- IKS (Indian Knowledge System)	24

		DSC 2 B - हिन्दी/अंग्रेजी/ इतिहास/ राजनीतिशास्त्र								
Level 4.5	Exit 1	Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (In the Shastri Course) After Securing 44 Credits in Semester-I & II								44

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
व्याकरणसोपानम् - 1	समय - तीन घण्टे
DSC 1A - VYA & MC 1 - Vya (व्याकरणम्)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- व्याकरण शास्त्र का स्थूल परिचय प्राप्त करेंगे |
- वर्ण , पद , वाक्य , उच्चारणस्थान ,प्रत्याहार -व्यवस्था तथा प्रयत्न का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- व्याकरणोपयोगी विशेष संज्ञाओं , सन्धिओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- समग्र अष्टाध्यायी का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे साथ ही कारक तथा समास का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	व्याकरणसोपानम्- 1	व्याकरणस्य परिचयः - (अष्टाध्याय्याः सामान्यपरिचयः , सूत्रलक्षणं,सूत्रभेदाश्च, वर्णाः, व्याकरणाध्ययनस्य मुख्यप्रयोजनम् , कारक -समास-प्रकृति-प्रत्ययानां सामान्यपरिचयः)|	I	I	15
		संज्ञाप्रकरणम् ,परिभाषाप्रकरणम् |	II	I	15
		अच्सन्धिप्रकरणम् ,प्रकृतिभावप्रकरणम् |	III	I	15
		हल्सन्धिप्रकरणम् ,विसर्गसन्धिप्रकरणम् , स्वादिसन्धिप्रकरणम् |	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

वैयाकरणसिद्धांतकौमुदी - चौखम्बा -संस्कृत -प्रतिष्ठानम्

1. **रचनानुवादकौमुदी -कपिलदेव द्विवेदी**
2. **अष्टाध्यायी - पुष्पा दीक्षित**

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC / MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का है जिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। DSC तथा MC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः - घण्टात्रयम् **विषयः - व्याकरणसोपानम्-I** **अङ्काः - 70**

DSC 1 A - VYA & MC 1 - VYA (व्याकरणम्)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे। प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

इसमें प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

भाग (क)

प्रश्न -1. (क) प्रथम इकाई के विषयों से सम्बन्धित परिचयात्मक प्रश्न, जिसमें चार विकल्पों में से दो प्रश्न करने होंगे। 2X4= 8

(ख) प्रथम इकाई के विषयों से सम्बन्धित परिभाषात्मक प्रश्न, जिसमें पाँच विकल्पों में से तीन करने होंगे। 3 X 2 = 6

भाग - (ख)

इसमें द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -2. (क) संज्ञाप्रकरण / परिभाषाप्रकरण से चार में से दों सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करनी होगी। 2 X 3 =6

(ख) एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक उत्तर वाले छः प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें चार प्रश्न करने होंगे। 4 X 2 = 8

भाग - (ग)

इसमें तृतीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -3. (क) संक्षेप में पांच में से तीन रूप सिद्धियां। 3X 2=6

(ख) विस्तार में चार में से दो रूप सिद्धियां। 2X4=8

भाग - (घ)

इसमें चतुर्थ इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -4. (क) दो में से एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या। 1X4=4

(ख) दो में से एक रूपसिद्धि विस्तारपूर्वक । 1X4=4

(ग) संक्षेप में पाँच में से तीन रूप सिद्धियां। 3X2=6

भाग - (ङ)

इसमें एक से चार इकाई तक दस प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को संक्षेप (Short answer) मेंलिखना होगा।

प्रश्न -5. एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक (Short answer) उत्तर वाले सात प्रश्न। 7X2=14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
लघुसिद्धांतकौमुदी - 1	समय - दो घण्टे
MDC 1 - VYA (व्याकरणम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- संज्ञासूत्रों, प्रत्याहारनिर्माणविधि, वर्णों के उच्चारणस्थान, प्रयत्न आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- सन्धिपदों की ससूत्र रूपसिद्धि करने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे ।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः

I	लघुसिद्धांतकौमुदी- 1	संज्ञाप्रकरणात् अच्सन्धौ वृद्धिसन्धिं यावत्	I	I	15
		पररूपसन्धेः (एङि पररूपम्) पूर्वसवर्णसन्धिं (झयो होऽन्यतरस्याम्) यावत्	II	I	15
		छत्वात् (शश्छोऽटि) आरभ्य विसर्गसन्धिं यावत्	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी - चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्

<u>प्रश्नपत्र - प्रारूप</u>

MDC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः घण्टाद्वयम् **विषयः - लघुसिद्धान्तकौमुदी-1** **अङ्काः - 50**

MDC 1 - VYA (व्याकरणम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - (क)

इसमें प्रथम इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -1. (क) चार में से दो रूप-सिद्धियां करनी होंगी। 2 x 3 = 6

(ख) सञ्ज्ञा प्रकरण तथा अच्सन्धि (वृद्धि सन्धि तक) से चार में से दो प्रश्न करने होंगे। 2 x 3 = 6

भाग - (ख)

इसमें द्वितीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -2. (क) चार में से दो रूप सिद्धियां करनी होंगी। 2 x 3 = 6

(ख) सन्धियों (एङि पररूपम् से झयो होऽन्यतरस्याम् तक) से चार में से दो सूत्रव्याख्यात्मक प्रश्न करने होंगे। 2 x 3 = 6

भाग - (ग)

इसमें तृतीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -3. (क) चार में से दो रूप सिद्धियां करनी होंगी। 2 x 3 = 6

(ख) सन्धियों (शश्छोऽटि से विसर्ग सन्धि तक) से चार में से दो सूत्रव्याख्यात्मक प्रश्न करने होंगे। 2 x 3 = 6

भाग (घ)

इसमें एक से तीन इकाई तक दस प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को संक्षेप (Short answer) में लिखना होगा।

प्रश्न -5. एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक (Short answer) उत्तर वाले प्रश्न। 7X 2 = 14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
प्रयोगकौशलम्-1	समय - दो घण्टे
SEC I - VYA (व्याकरणम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- नीतिशतक के श्लोकों में प्रयुक्त वर्णों तथा सन्धियों का व्याकरण की दृष्टि से परिचय प्राप्त करेंगे।

- **नीतिशतक में अनुप्रयुक्त वर्ण और सन्धि के अभ्यास से अनेक संस्कृत-साहित्य ग्रन्थों में भी वर्ण, तथा सन्धियों की पहचान करने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे।**

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	प्रयोगकौशलम् -(वर्ण-सन्धीनाम्)	व्याकरणसोपानम् 1 इति पूर्वपठितपाठ्यांशे अर्जितस्य वर्णज्ञानस्य सन्धिज्ञानस्य च नीतिशतकस्य 1-30 श्लोकानाम् मध्ये अनुप्रयोगः।	I	I	15
		व्याकरणसोपानम्-1 इति पूर्वपठितपाठ्यांशे अर्जितस्य वर्णज्ञानस्य सन्धिज्ञानस्य च नीतिशतकस्य 31-60 श्लोकानाम् मध्ये अनुप्रयोगः।	II	I	15
		व्याकरणसोपानम्-1 इति पूर्वपठितपाठ्यांशे अर्जितस्य वर्णज्ञानस्य सन्धिज्ञानस्य च नीतिशतकस्य 61-90 श्लोकानाम् मध्ये अनुप्रयोगः।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. नीतिशतकम् - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम्

2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः - घण्टाद्वयम् **विषयः - प्रयोगकौशलम्-I** **अङ्काः - 50**

SEC 1 - VYA (व्याकरणम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग – (क)

इसमें प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -1. (क) आठ में से छः पदों का वर्णानुपूर्वी (Spelling) - लेखन। 6 x 1 = 6

(ख) आठ में से छः पदों के वर्षों के उच्चारणस्थान, प्रयत्न तथा संयुक्ताक्षर-लेखन। 6 x 1 = 6

भाग – (ख)

इसमें द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -2. (क) आठ सन्धिपद दिए जाएँगे जिनमें से छः का सन्धिविच्छेद, सन्धिनाम तथा सन्धिसूत्र लिखना होगा। 6 x 1 = 6

(ख) आठ सन्धिविच्छेद दिए जाएँगे जिनमें से छः का सन्धिरूप, सन्धिनाम तथा सन्धिसूत्र लिखना होगा। 6 x 1 = 6

भाग – (ग)

इसमें तृतीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -3. (क) आठ सन्धिपद दिए जाएँगे जिनमें से छः का सन्धिविच्छेद, सन्धिनाम तथा सन्धिसूत्र लिखना होगा। 6 x 1 = 6

(ख) आठ सन्धिविच्छेद दिए जाएँगे जिनमें से छः का सन्धिरूप, सन्धिनाम तथा सन्धिसूत्र लिखना होगा। 6 x 1 = 6

भाग – (घ)

इसमें एक से तीन इकाई तक दस प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को संक्षेप (Short answer) में लिखना होगा। प्रश्न - 4. एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक (Short answer) उत्तर वाले प्रश्न। 7 x 2 = 14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
व्याकरणसोपानम् - II	समय - तीन घण्टे
DSC 2A - VYA & MC 2 - Vya (व्याकरणम्)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- तीनों लिङ्गों में अजन्त और हलन्त प्रातिपादिकों का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- सुबन्त पदों की सिद्धि में प्रयुक्त होने वाले सुप् -प्रत्ययों का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- तीनों लिङ्गों में विभिन्न शब्दों की सिद्धांत सिद्धि का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- विभिन्न अव्ययों का अर्थ सहित ज्ञान प्राप्त करेंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	व्याकरणसोपानम्- II	अजन्तपुँल्लिङ्गप्रकरणम्	I	I	15
		अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम् , अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्	II	I	15
		हलन्तपुँल्लिङ्गप्रकरणम् (आरम्भात् तदोः सः सावनन्त्ययोः इति सूत्रं यावत्	III	I	15
		हलन्तपुँल्लिङ्गप्रकरणम् (ङेप्रथमयोरम् इति सूत्रादारभ्य समाप्तिं यावत्) हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम् , हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम् ,अव्ययप्रकरणम्	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. **वैयाकरणसिद्धांतकौमुदी - चौखम्बा -संस्कृत -प्रतिष्ठानम्**

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC / MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का है जिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester)

परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। DSC तथा MC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः - घण्टात्रयम् **विषयः - व्याकरणसोपानम्-I** **अङ्काः - 70**

DSC A 2 - VYA & MC 2 - VYA (व्याकरणम्)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे। प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - (क)

इसमें प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न-1. (क) चार में से दो रूप सिद्धियां। 2 x 3 = 6

(ख) चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या। 2X 4 = 8

भाग - (ख)

इसमें द्वितीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न-2. (क) चार में से दो रूप सिद्धियां। 2 x 3 = 6

(ख) दो में से एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या। 1x4 = 4

(ग) चार में से एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक उत्तर वाले दो प्रश्न। 2x2 =4

भाग - (ग)

इसमें तृतीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -3. (क) चार में से दो रूप सिद्धियां। 2 x3 = 6

(ख) दो में से एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या। 1X 4 = 4

(ग) चार में से एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक उत्तर वाले दो प्रश्न। 2X 2 = 4

भाग – (घ)

इसमें चतुर्थ इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न –4. (क) चार में से दो रूपसिद्धियां। 2 x 3 = 6

(ख) दो में से एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या। 1X 4 = 4

(ग) अव्ययप्रकरण से चार में से दो एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक उत्तर वाले प्रश्न। 2 x2 = 4

भाग – (ङ)

इसमें एक से चार इकाई तक दस प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को संक्षेप (Short answer) मेंलिखना होगा।

प्रश्न –5. एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक (Short answer) उत्तर वाले प्रश्न। 7 x 2 = 14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year

पूर्णाङ्क - 75

(Equivalent to Shastri Certificate Course) लिखित परीक्षा - 50

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester आन्तरिक

मूल्यांकन - 25

लघुसिद्धांतकौमुदी - II समय - दो

घण्टे

MDC 2 - VYA (व्याकरणम्) Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials

- 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- पुंलिङ्ग अकारान्त, इकारान्त, उकारान्त तथा ऋकारान्त शब्दों की ससूत्र रूपसिद्धि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- स्त्रीलिङ्ग आकारान्त, इकारान्त, ईकारान्त शब्दों की ससूत्र रूपसिद्धि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- नपुंसकलिङ्ग अकारान्त तथा इकारान्त शब्दों की ससूत्र रूपसिद्धि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- कारकों तथा कुछ व्यावहारिक हलन्त शब्दों का कण्ठस्थीकरणपूर्वक ज्ञान प्राप्त करेंगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	लघुसिद्धांतकौमुदी - II	राम, सर्व, विश्वपा, हरि, सखि, पति, कति, बहुश्रेयसी, शम्भु, क्रोष्टु इत्येतेषां शब्दानां ससूत्रं रूपसिद्धिः।	I	I	15
		रमा, सर्वा, मति, गौरी, स्त्री, ज्ञान, वारि, दधि इत्येतेषां शब्दानां ससूत्रं रूपसिद्धिः ।	II	I	15
		विभक्त्यर्थाः| किम्, इदम्, तद्, एतद्, युष्मद्, अस्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्, पञ्चन्, राजन् इति एतेषां शब्दरूपाणां केवलं कण्ठस्थीकरणम्।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी - चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

MDC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः - घण्टाद्वयम् **विषयः - लघुसिद्धान्तकौमुदी-II** **अङ्काः - 50**

MDC 2 - VYA (व्याकरणम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - (क)

इसमें प्रथम इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न-1. (क) चार में से दो रूप सिद्धियां। 2 x 3 = 6

(ख) चार में से दो उदाहरणसहित सूत्रव्याख्या करनी होंगी। 2 x3 = 6

भाग - (ख)

इसमें द्वितीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -2. (क) चार में से दो रूप सिद्धियां। 2 x 3 = 6

(ख) चार में से दो उदाहरणसहित सूत्रव्याख्या करनी होंगी। 2 x3 = 6

भाग - (ग)

इसमें तृतीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न-3. (क) चार में से दो रूप सिद्धियां। 2 x3 = 6

(ख) पाँच में से तीन शब्दरूपों का (लिङ्ग, विभक्ति, वचन) परिचय। 2 x 3 = 6

भाग - (घ)

इसमें एक से तीन इकाई तक दस प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को संक्षेप (Short answer) में लिखना होगा। प्रश्न -5. एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक (Short answer) उत्तर वाले प्रश्न। 7 x2 = 14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
प्रयोगकौशलम्-1	समय - दो घण्टे
SEC 2 - VYA (व्याकरणम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों में प्रयुक्त अजन्त तथा हलन्त शब्दों का और अव्ययों का परिचय प्राप्त करेंगे।
- उपर्युक्त ग्रन्थों में अनुप्रयुक्त अजन्त, हलन्त तथा अव्यय शब्दों के अभ्यास से अनेक संस्कृत-साहित्य ग्रन्थों में भी अजन्त, हलन्त तथा अव्ययों की पहचान करने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	प्रयोगकौशलम् -II (सुबन्तानाम्)	व्याकरणसोपानम् 2 इति पूर्वपठितपाठ्यांशे अर्जितस्य ज्ञानस्य 1 श्रीमद्भगवद्गीतायाः प्रथम-द्वितीयाध्याययोः मध्ये प्रयुक्तेषु सुबन्तपदेषु (अजन्तेषु एव) अनुप्रयोगः।	I	I	15
		व्याकरणसोपानम्-2 इति पूर्वपठितपाठ्यांशे अर्जितस्य ज्ञानस्य श्रीमद्भगवद्गीतायाः प्रथम-द्वितीयाध्याययोः मध्ये प्रयुक्तेषु सुबन्तपदेषु (हलन्तेषु एव) अनुप्रयोगः।	II	I	15

		व्याकरणसोपानम्-2 इति पूर्वपठितपाठ्यांशे अर्जितस्य ज्ञानस्य श्रीमद्भगवद्गीतायाः प्रथम-द्वितीयाध्याययोः मध्ये प्रयुक्तेषु सुबन्तपदेषु (अव्ययेषु एव) अनुप्रयोगः।	**III**	**I**	**15**

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. नीतिशतकम् - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम्

2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **विषयः - प्रयोगकौशलम्-2** **अङ्काः - 50**

SEC 2 - VYA (व्याकरणम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - (क)

इसमें प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न -1. (क) आठ में से छः पदों का प्रातिपदिक तथा प्रत्यय लेखन। 6 x 1 = 6

(ख) प्रातिपदिक और प्रत्ययों का सम्मेलन करके आठ में से छः पदों का लेखन। 6 x1 = 6

भाग – (ख)

इसमें द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न –2. (क) आठ में से छः पदों का प्रातिपदिक तथा प्रत्यय लेखन। 6 x1 =

(ख) प्रातिपदिक और प्रत्ययों का सम्मेलन करके आठ में से छः पदों का लेखन। 6 x1 = 6

भाग – (ग)

इसमें तृतीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रश्न –3. (क) निर्दिष्ट श्लोकांश अथवा शब्दसमूह में से छः अव्ययों की पहचान। 6 x1 = 6

(ख) पांच में से तीन अव्ययों का वाक्य में प्रयोग। 3X2 = 6

भाग – (घ)

इसमें एक से तीन इकाई तक दस प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को संक्षेप (Short answer) में लिखना होगा।

प्रश्न – 4. एकशब्दात्मक / एकवाक्यात्मक (Short answer) उत्तर वाले प्रश्न। 7x2 = 14

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Year

पाठ्यक्रमरूपरेखा

2

साहित्यशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Semester	Discipline Specific Core (DSC) Credit - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credit - 4	Minor Course (MC) Credit-4	Multidisciplinary Course (MDC) Credit-3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credit-3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credit-2	Internship/ Apprenticeship/Project/Community Outreach Credit -4	Value Addedition Courses (VAC) Credit- 2	Total Credit

Introductory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 - SAH छन्दःशास्त्रम्, अलङ्कारश्च DSC 1 B - हिन्दी/अंग्रेजी/ इतिहास/ राजनीतिशास्त्र		MC 1 - SAH छन्दःशास्त्रम्, अलङ्कारश्च	MDC 1- SAH संस्कृतसाहि-त्यशास्त्रपरिचयः -1	SEC 1- SAH छन्दोगायन-कौशलम्	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A- SAH दृश्यकाव्यम् DSC 2 B - हिन्दी/अंग्रेजी/ इतिहास/ राजनीतिशास्त्र		MC 2 - SAH दृश्यकाव्यम्	MDC 2- SAH संस्कृतसाहि-त्यशास्त्रपरिचयः -II	SEC 2- SAH अलङ्कारप्र-योगकौशलम्		I/A/P/C -1 As per Guideline of SPU Mandi	VAC- IKS (Indian Knowledge System)	24
Level 4.5	Exit 1	Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (In the Shastri Course) After Securing 44 Credits in Semester-I & II								44

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
छन्दः शास्त्रम् अलङ्काराश्च	समय - तीन घण्टे
DSC 1A - SAH & MC 1 - SAH (साहित्यम्)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- छन्दशास्त्र व अलंकारशास्त्र का अध्ययन कर पारिभाषित शब्दों तथा काव्य कौशल में निपुण होंगे |
- विविध शास्त्रों में प्रतिपादित श्लोकों के गायन में निपुणता प्राप्त होगी |
- श्लोकों में प्रयुक्त छन्दों का निर्धारण कर धारा प्रवाह शुद्ध वाचन का कौशल विक्सित होगा |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	छन्दःशास्त्रम्, अलङ्कारश्च	छन्दःशास्त्रस्य सामान्यपरिचयः,छन्दस्वरूपम्,छन्दसां भेदाः नियमाश्च | विद्युन्माला,उपेन्द्रवज्रा ,इन्द्रवज्रा ,अनुष्टुप् ,उपजाति, दोधकम्, वंशस्थम्,पुष्पिताग्रा,तोटकम्,स्रग्विणी |	I	I	15
		छन्दसांलक्षणोदाहरणानि - द्रुतविलम्बितम्,भुजङ्गप्रयातम्,शालिनी,वसन्ततिलका,पञ्कचामरम्,मालिनी,पृथ्वी,शिखरिणी,हरिणी,मन्दाक्रान्ता,शार्दूलविक्रीडितम्,स्रग्धरा |	II	I	15
		अलङ्कारस्य सामान्यपरिचयः,अलंकारस्वरूपम्,भेदाः नियमाश्च | अलंकाराणां लक्षणोदाहरणानि - अनुप्रासः , यमकम् ,श्लेषः , उपमा, भ्रान्तिमान ,निदर्शना , उत्प्रेक्षा ,सन्देहः,दृष्टान्तः |	III	I	15
		अलंकाराणां लक्षणोदाहरणानि ----- अपह्नुतिः ,दीपकम् ,समासोक्तिः , व्यतिरेकः ,विभावना , विशेषोक्तिः,रूपकम्,स्वभावोक्तिः , अतिशयोक्तिः , अर्थान्तरन्यासः, अप्रस्तुतप्रशंसा, व्याजस्तुति |	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. वृत्तरत्नाकर - केदारभट्टः -चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी|

2. काव्यदीपिका - कान्तिचन्द्रभट्टाचार्य - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी|

प्रश्नपत्र – प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC / MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का है जिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester)

परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। DSC तथा MC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः - घण्टात्रयम् **विषयः - छन्दःशास्त्रम् अलङ्काराश्च** **अङ्काः 70**

DSC A1 - SAH & MC 1 - SAH (साहित्यम्)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे। प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न.। इसमें प्रथम इकाई से दो प्रश्न (क) और (ख) पूछे जाएंगे।

(क) इसमें पांच प्रश्नों में से तीन का उत्तर देना होगा। जिसके अन्तर्गत छन्द की परिभाषा, भेद, लघु, गुरु, गण, यति, पाद इत्यादि का लक्षण एवं उदाहरण पूछे जाएँगे। 3 x 2 = 6

(ख) इसमें चार में से दो छन्दों का लक्षण एवं उदाहरण लिखना होगा। 2X 4 = 8

भाग (ख)

प्रश्न. 2 इसमें द्वितीय इकाई से चार में से दो छन्दों के लक्षण, लक्षणों की व्याख्या तथा संगति-सहित उदाहरण लिखने होंगे। 2X 7 = 14

भाग (ग)

प्रश्न. 3 इसमें तृतीय इकाई से (क) एवं (ख) दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

(क) इसमें अलंकारों का सामान्य परिचय, लक्षण, भेद इत्यादि दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। 1x4 = 4

(ख) चार में से किन्ही दो अलंकारों का लक्षण तथा उदाहरण लिखना होगा। 2x 5 = 10

भाग (घ)

प्रश्न. 4 इसमें चतुर्थ ईकाई से चार में से दो अलंकारों का लक्षण, लक्षण की संक्षिप्त व्याख्या, संगतिपूर्वक उदाहरण लिखना होगा। 2 x7 = 14

भाग (ङ)

प्रश्न. 5 यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों के उत्तर छात्र को लिखने होंगे। 7x 2 = 14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	

संस्कृतसाहित्यशास्त्रपरिचयः -1	समय - दो घण्टे
MDC 1 - SAH (साहित्यम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- छात्रगण साहित्यशास्त्र परिचय का अध्ययन कर साहित्यशास्त्र के पारिभाषिक शब्दों से अवगत होंगे।
- साहित्यशास्त्र के षड्सम्प्रदायों का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
- रामायण महाभारत तथा पुराणों का सामान्य ज्ञान होगा।
- रघुवंश, कुमारसम्भव, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध तथा नैषधीयचरित का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	संस्कृतसाहित्यशास्त्रपरिचयः	संस्कृतसाहित्यशास्त्रपरिचयः- साहित्यशब्दस्य व्युत्पत्ति, परिभाषा, नामान्तराणि च। साहित्यशास्त्रस्य षड्सम्प्रदायानां सामान्यपरिचयः ।	I	I	15
		इतिहासपुराणानि -(रामायणमहाभारतपुराणानां सामान्यपरिचयः।)	II	I	15
		पञ्चमहाकाव्यानां परिचयः रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. संस्कृतसाहित्य का इतिहास चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी
2. संस्कृतसाहित्यशास्त्रप्रवेशिनी डा. सी. हेच्. नागराजु, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति, ग्रन्थमाला

प्रश्नपत्र – प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

MDC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः - घण्टाद्वयम् **विषयः - संस्कृतसाहित्यपरिचयः-I** **अङ्काः - 50**

MDC 1 - SAH (साहित्यम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न. 1 इसमें प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग (ख)

प्रश्न. 2 इसमें द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 1 X 12 = 12

भाग (ग)

प्रश्न.3 इसमें तृतीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 1 X 12=12

भाग (घ)

प्रश्न. 4. यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक (1-3) इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 7 X2=14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
छन्दोगायनकौशलम्	समय - दो घण्टे
SEC I - SAH (साहित्यम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- छात्रगण छन्दविधा के गायन कौशल का अध्ययन कर छंदशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों से अवगत होंगे।
- विविध काव्य ग्रन्थों में प्रयुक्त श्लोकों में छंदों का निर्धारण करने में निपुण होंगे।
- छन्दःशास्त्र में निर्दिष्ट नियमों का अनुपालन कर धाराप्रवाह शुद्ध वाचन में सक्षम होंगे।
- विविध शास्त्रों तथा स्तोत्र साहित्य में छन्दों का अनुप्रयोग कर स्तोत्र गायन में निपुण बनेंगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	छन्दो-गायनकौशलम्	नीतिशतकम् (1 से 30 श्लोक) श्लोकेषु गणच्छन्दोयतिसमवृत्तविषमवृत्तादीनां निर्धारणम्।	I	I	15
		अनुप्रयोगः- स्तोत्राणि- शिवपंचाक्षरस्तोत्रम्, अच्युताष्टकस्तोत्रम्, पशुपत्यष्टकस्तोत्रम्, शंकराचार्यकृतगंगास्तुति, सरस्वतीस्तोत्रम्, रूद्राष्टकस्तोत्रम्, देव्यपराधक्षमास्तोत्रम्, शिवमानसपूजा, शिवताण्डवस्तोत्रम्, महिषासुरमर्दिनिस्तोत्रम्।	II	I	15
		भ्रमरगीतम् (1-8 श्लोकाः मालिनीच्छन्दसि), गोपीगीतम् (1-8 श्लोकाः कनकमञ्जरीच्छन्दसि), भाति मे भारतम् (स्रग्विणीच्छन्दसि), मधुराष्टकम् (तोटकच्छन्दसि), कृष्णाष्टकम् (पञ्चचामरच्छन्दसि), दामोदराष्टकम् (उपजातिच्छन्दसि), भवान्यष्टकम् (उपेन्द्रवज्राच्छन्दसि)।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः

1. **वृत्तरत्नाकरम् –केदारभट्टः चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी**
2. **बृहत्स्तोत्ररत्नावली–गीताप्रेस गोरखपुर**
3. **श्रीमद्भागवतपुराणम् –गीताप्रेस गोरखपुर**

प्रश्नपत्र – प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न–पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा –

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः –घण्टाद्वयम् **विषयः – छन्दोगायनकौशलम्** **अङ्काः – 50**

SEC 1 – SAH (साहित्यम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12–12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न 1. इसमें प्रथम इकाई से तीन श्लोकों में से दो श्लोकों के गण, छन्द तथा यति का निर्धारण करके छन्द का लक्षण व्याख्या सहित लिखे। 2 X 6=12

भाग (ख)

प्रश्न 2. द्वितीय इकाई से पांच स्तोत्रों में से दो स्तोत्रों के कम से कम छः छः पद्य लिखने होगें। 2 X 6 = 12

भाग (ग)

प्रश्न 3. तृतीय इकाई से चार में से दो गीतों / स्तोत्रों के छः छः पद्य लिखने होंगे। 2 X 6-12

भाग (घ)

प्रश्न 3. यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रथम से तृतीय इकाई में से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7X2=14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
दृश्यकाव्यम्	समय - तीन घण्टे
DSC 2A - SAH & MC 2 - SAH (साहित्यम्)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- संस्कृत साहित्य की दृश्य विधा एवं नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होंगे |
- संस्कृत साहित्य के नाटककार भट्टनारायण की नाट्य शैली का बोध करने में सक्षम होंगे |
- वेणीसंहारनाटक की कथावास्तु एवं श्लोकों का अध्ययन कर संवाद एवं भाषा की अभिव्यक्ति में समर्थ होंगे |
- छात्र नाट्यशास्त्र का अध्ययन कर अभिनय कौशल में दक्ष होंगे |
- संस्कृत नाटककारों के काव्यकौशल से अवगत होंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	दृश्यकाव्यम्	दृश्यकाव्यस्य परिभाषा ,रूपकोपरूपकाणां लक्षणानि सामान्यपरिचयाश्च | नाट्यशास्त्रीयपारिभाषिकशब्दानां सामान्यपरिचयः (नायक-नायिका -नान्दी-सूत्रधार-वृत्ति-प्रस्तावना-	I	I	15

		नाटकानां लक्षणानि ,अभिनयभेदाश्च)			
		वेणीसंहारनाटकस्य कथावस्तु ,वैशिष्ट्यं लेखक-परिचयाश्च|	II	I	15
		वेणीसंहारनाटकस्य प्रथमोङ्कः|	III	I	15
		वेणीसंहारनाटकस्य षष्ठोङ्कः |	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. **साहित्यदर्पणः - आचार्यविश्वनाथः - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी\|**
2. **वेणीसंहार--- भट्टनारायणः- मोतीलाल बनारसीदास \|**

प्रश्नपत्र – प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC / MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का है जिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। DSC तथा MC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा –

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः –घण्टात्रयम् **विषयः – दृश्यकाव्यम्** **अङ्काः – 70**

DSC 2 A – SAH & MC2-SAH (साहित्यम्)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे। प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न.1. इसमें प्रथम इकाई से (क) तथा (ख) दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

क. चार प्रश्नों में से दो का उत्तर देना होगा। इसमें नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिकशब्दों का लक्षण और भेद लिखना होगा। 2 x2 = 4

ख. दृश्य काव्य के रूपक-उपरूपक-नायक-नायिका आदि विषयों से सम्बन्धित चार में से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 x 5 = 10

भाग (ख)

प्रश्न.2 इसमें द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर छात्र को लिखना होगा। इसमें वेणीसंहार नाटक की कथावस्तु, 1 और 6 अंकों का सार, वेणीसंहार का वैशिष्ट्य, पात्र-परिचय, लेखक-परिचय एवं लेखक का वैशिष्ट्य आदिपूछा जाएगा। 1 x14 = 14

भाग (ग)

प्रश्न.3 इसमें तृतीय इकाई से (क) तथा (ख) दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

(क) इसमें दो में से एक सूक्ति अथवा पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखनी होगी। 1X4=4

(ख) इसमें चार में से दो श्लोकों की अन्वयसहित सप्रसंग व्याख्या लिखनी होगी। 2X 5 = 10

भाग (घ)

प्रश्न 4 इसमें चतुर्थ इकाई से (क) तथा (ख) दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

(क) इसमें दो में से एक सूक्ति अथवा पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखनी होगी। 1 X 4 = 4

(ख) चार में से दो श्लोकों की अन्वयसहित सप्रसंग व्याख्या लिखनी होगी। 2X 5 = 10

भाग (ङ)

प्रश्न. 5. यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक (1-4) इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 7X 2 = 14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year

पूर्णाङ्क - 75

(Equivalent to Shastri Certificate Course) लिखित परीक्षा - 50

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester आन्तरिक

मूल्यांकन - 25

संस्कृतसाहित्यशास्त्रपरिचयः -II समय - दो घण्टे

MDC 2 - SAH (साहित्यम्) Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- गद्यकाव्य दशकुमारचरितम्, कादम्बरी तथा वासवदत्ता के सामान्य ज्ञान से अवगत होंगे।
- चम्पूकाव्य परिचय, गीतिकाव्य परिचय तथा नीतिकाव्य का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
- स्वप्नवासवदत्त, अभिज्ञानशाकुन्तल, उत्तररामचरित, वेणीसंहार तथा मुद्राराक्षस का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	संस्कृतसाहित्यशास्त्रपरिचयः	गद्यकाव्यपरिचयः दशकुमारचरितम्-, कादम्बरी, वासवदत्ता।	I	I	15
		चम्पूकाव्यपरिचयः नलचम्पूः विश्वगुणादर्शचम्पूः।	II	I	15

	II	नीतिकाव्यपरिचयः नीतिशतकम् –, हितोपदेशः, पञ्चतन्त्रम्। गीतिकाव्यपरिचयः मेघदूतम् –, गीतगोविन्दम् ।			
		पञ्चमहानाटकपरिचयः– स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, उत्तररामचरितम्, वेणीसंहारम्, मुद्राराक्षसम्।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः –

1. **संस्कृतसाहित्य का इतिहास –चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी**
2. **संस्कृतसाहित्यशास्त्रप्रवेशिनी– डा. सी. हेच्. नागराजु, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति, ग्रन्थमाला**

प्रश्नपत्र – प्रारूप

MDC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न–पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा –

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः – घण्टाद्वयम् **विषयः – संस्कृतसाहित्यशास्त्रपरिचयः–II** **अङ्काः – 50**

MDC 2 – SAH (साहित्यम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12–12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न. 1 इसमें प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 2X 6 = 12

भाग (ख)

प्रश्न. 2 इसमें द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर छात्र को लिखना होगा 1 X 12 = 12

भाग (ग)

प्रश्न.3 इसमें तृतीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर छात्र को लिखना होगा 1 X 12 = 12

भाग (घ)

प्रश्न. 4. यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक (1-3) इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7 X2=14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
अलङ्कारप्रयोगकौशलम्	समय - दो घण्टे
SEC 2 - SAH (साहित्यम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- अलङ्कारों का स्वरूप, भेदों तथा पारिभाषिक शब्दों से अवगत होंगे।
- अभिज्ञानशाकुन्तलनाटक के प्रथमाङ्क व चतुर्थाङ्क के श्लोको में प्रयुक्त अलङ्कारों का निर्धारण करने में निपुण होंगे।
- विविध काव्य ग्रन्थों में प्रयुक्त श्लोकों में अलङ्कारों का निर्धारण करने में समर्थ होंगे।
-

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	अलङ्कारप्रयोगकौशलम्	वेणीसंहारनाटकस्य प्रथमाङ्कस्य श्लोकानां मध्ये अलङ्काराणाम् अनुप्रयोगः।	I	I	15
		वेणीसंहारनाटकस्य षष्ठोऽङ्कस्य द्वितीयाङ्कस्य 1-23 श्लोकानां मध्ये अलङ्काराणाम् अनुप्रयोगः ।	II	I	15
		वेणीसंहारनाटकस्य षष्ठोऽङ्कस्य द्वितीयाङ्कस्य 24-46 श्लोकानां मध्ये अलङ्काराणाम् अनुप्रयोगः ।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. **वेणीसंहार--- भट्टनारायणः- मोतीलाल बनारसीदास |**

2. **काव्यदीपिका -कान्तिचन्द्रभट्टाचार्यः, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी**

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **विषयः - अलङ्कारप्रयोगकौशलम्** **अङ्काः - 50**

SEC 2 - SAH (साहित्यम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न 1 इसमें प्रथम इकाई से तीन श्लोकों में से दो श्लोकों में अलंकार का निर्धारण, लक्षण तथा संगति को लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग (ख)

प्रश्न 2 इसमें द्वितीय इकाई से तीन श्लोकों में से दो श्लोकों में अलंकार का निर्धारण, लक्षण तथा संगति को लिखना होगा। 2X 6-12

भाग (ग)

प्रश्न 3 इसमें तृतीय इकाई से चार अलंकारों में से किन्हीं दो अलंकारों के उदाहरण सङ्गतिपूर्वक लिखने होंगे। 2X 6 = 12

भाग (घ)

प्रश्न 4. यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रथम से तृतीय इकाई में से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 7 X2=14

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Year

पाठ्यक्रमरूपरेखा

3

दर्शनशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Semester	Discipline Specific Core (DSC) Credit - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credit - 4	Minor Course (MC) Credit-4	Multidisciplinary Course (MDC) Credit-3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credit-3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credit-2	Internship/ Apprenticeship/Project/Community Outreach Credit -4	Value Addedition Courses (VAC) Credit- 2	Total Credit

Introductory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 - DAR न्याय वैशेषिकप्रवेशः DSC 1 B - हिन्दी/अंग्रेजी/इतिहास/ राजनीतिशास्त्र		MC 1 - DAR न्याय वैशेषिकप्रवेशः	MDC 1- DAR वैशेषिकदर्शनपरिचयः	SEC 1- DAR प्रमाणविचारः	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A- DAR सांख्यशास्त्र प्रवेशः DSC 2 B - हिन्दी/अंग्रेजी/इतिहास/ राजनीतिशास्त्र		MC 2 - DAR सांख्यशास्त्र प्रवेशः	MDC 2- DAR सांख्ययोगपरिचयः -II	SEC 2- DAR पदार्थप्रवेशः		I/A/P/C -1 As per Guideline of SPU Mandi	VAC- IKS (Indian Knowledge System)	24
Level 4.5	Exit 1	Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (In the Shastri Course) After Securing 44 Credits in Semester-I & II								44

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
न्याय -वैशेषिकप्रवेशः	समय - तीन घण्टे
DSC 1A - DAR & MC 1 - DAR (दर्शनम्)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- भारतीय समृद्ध दर्शन में वैशेषिक दर्शन की परम्परा का विशेष परिचय प्राप्त करेंगे |
- वैशेषिक दर्शन में वर्णित सात पदार्थों को जानेंगे |

➢ वैशेषिक दर्शन के पारिभाषिक शब्दों से परिचित होंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	न्याय- वैशेषिकप्रवेशः	ग्रन्थप्रयोजनम् , पदार्थलक्षणम् ,गुणपदार्थं विहाय षड्पदार्थाः शक्तेः सादृश्यस्य च अपदार्थत्वम् ,उद्देश्य-लक्षण-परीक्षादिविवेचनम्, द्रव्यलक्षणम् ,तमसः दशम-द्रव्यत्व-निराकरणम्,पृथिवी-जल-तेजो-वाय्वाकाशादीनां द्रव्याणां विवेचनम् ,परमाणुविवेचनञ्च	I	I	15
		कालदिगात्म- मनसां विवेचनम् ,बुद्धिं विहाय रूपादीनां त्रयोविंशति-गुणानां विवेचनम्	II	I	15
		बुद्धिगुणस्य सभेदवर्णनम्, कारणम्, प्रत्यक्षप्रमाणम् ,सन्निकर्षः, अनुमानप्रमाणम् , पञ्चावयाः,व्याप्तिः,पक्षविपक्ष-सपक्षाः,हेत्वाभासश्च	III	I	15
		उपमानप्रमाणम्,शब्दप्रमाणम्,पद-वाक्यवर्णनम्,न्यायोक्त -द्वादशप्रमेयाः, संशयारभ्य निग्रहस्थानान्ताः न्यायोक्तपदार्थाः न्यायोक्त -षोडशपदार्थानां वैशेषिकोक्त-सप्तपदार्थेषु अन्तर्भावः	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -1.कणादगौतमीयम् - आचार्य विश्वनाथकृतम् |

प्रश्नपत्र प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC /MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का हैजिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है।छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा मेंउत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे IDSC तथाMC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः - घण्टात्रयम् **विषय :- न्यायवैशेषिकप्रवेशः** **अङ्काः - 70**

DSC A1 - DAR&MC 1 - DAR (दर्शनम्)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी

भाग (क)

प्रश्न 1 इसमें प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X 7 = 14

भाग (ख)

प्रश्न 2 इसमें द्वितीय इकाई से से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2x 7 = 14

भाग (ग)

प्रश्न 3 इसमें तृतीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। 1 X 14 = 14

भाग (घ)

प्रश्न 4 इसमें चतुर्थ इकाई से से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X 7 = 14

भाग (ङ)

प्रश्न 5 यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7 x 2 = 14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
वैशेषिकदर्शनपरिचयः -1	समय - दो घण्टे
MDC 1 - DAR (दर्शनम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials

- 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- भारतीय समृद्ध दर्शन परम्परा में वैशेषिक दर्शन की परम्पराओं का विशेष परिचय प्राप्त करेंगे।
- वैशेषिकोक्त सात पदार्थों का परिचय प्राप्त करेंगे।
- वैशेषिक दर्शन के पारिभाषिक शब्दों को जान पाएँगे।
- वैशेषिक दर्शन में उक्त प्रत्यक्षादि प्रमाणों को समझेंगे।
- राज्यस्तरीय और राष्ट्रस्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले सम्बन्धित प्रश्नों को हल कर पाएँगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	वैशेषिकदर्शनपरिचयः	न्यायवैशेषिकदर्शनयोः प्रयोजनम्, पदार्थानां विवेचनम्, शास्त्रप्रवृत्ति-प्रमाणादि-लक्षणचिन्तनम् ।	I	I	15
		प्रत्यक्षप्रमाणनिरूपणम्	II	I	15
		अनुमान प्रमाणनिरूपणम्	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1.कणादगौतमीयम् - आचार्य विश्वनाथकृतम् |

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

MDCका पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा मेंउत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **विषयः- वैशेषिकपरिचयः** **अङ्काः - 50**

MDC 1 - DAR (दर्शनम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न 1. इसमें प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ख)

प्रश्न 2. इसमें द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ग)

प्रश्न 3. इसमें तृतीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6 = 12

भाग (घ)

प्रश्न 3. यह प्रश्न लघु उत्तरीय) Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना है |

7X2=14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year

पूर्णाङ्क - 75

(Equivalent to Shastri Certificate Course) लिखित परीक्षा - 50

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester आन्तरिक

मूल्यांकन - 25

प्रमाणविचारः समय - दो घण्टे

SEC 1 - DAR (दर्शनम्) Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials

- 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- **वैशेषिक दर्शनों के अनुसार सामान्य रूप से प्रमाणों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।**
- **उपमान और शब्द, अर्थापत्ति तथा अभाव प्रामाणों का और प्रामाण्यवाद का विशेष ज्ञान प्राप्त करेंगे।**
- **प्रमाणों के ज्ञान के द्वारा वास्तविकता का बोध करेंगे।**

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	प्रमाणविचारः	प्रमाणविमर्शः –उपमानप्रमाणविमर्शः, शब्दप्रमाणविमर्शः	I	I	15
		अर्थापत्तिप्रमाणविमर्शः अभावप्रमाणविमर्शः	II	I	15
		प्रामाण्यनिरूपणम्	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1.कणादगौतमीयम् - आचार्य विश्वनाथकृतम् |

प्रश्नपत्र प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा मेंउत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **विषयः- प्रमाणविचारः** **अङ्काः - 50**

SEC 1 - DAR (दर्शनम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न 1. इसमें प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ख)

प्रश्न 2. इसमें द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ग)

प्रश्न 3. इसमें तृतीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (घ)

प्रश्न 3. यह प्रश्न लघु उत्तरीय) Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना है। 7 X 2 = 14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
सांख्यशास्त्र प्रवेशः	समय - तीन
घण्टे	
DSC 2A - DAR & MC 2 - DAR (दर्शनम्)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- सांख्यदर्शन का सामान्य परिचय का अध्ययन करेंगे |
- सांख्यदर्शन के पञ्चविंशति तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- सांख्य शास्त्रोक्त प्रमाणों का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- तुष्टि ,असिद्धि ,अशक्ति आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	सांख्यशास्त्र प्रवेशः	साख्यशास्त्र-परिचयः ,सांख्यदर्शनस्य सामान्यपरिचयः ,मुख्यसिद्धान्ताः सांख्यकारिकाया प्रारम्भतः पञ्चदशकारिकापर्यन्तम्	I	I	15
		षोडशकारिकातः त्रिंशकारिकापर्यन्तम्	II	I	15

		एकत्रिंशकारिकातः पञ्चचत्वारिशकारिकापर्यन्तम्	**III**	**I**	**15**
		षट्चत्वारिंशकारिकात आन्तं यावत्	**IV**	**I**	**15**

अनुशंसितग्रन्थाः -1. श्रीमदीश्वरकृष्णकृता सांख्यकारिका गौडपादभाष्य सहिता

प्रश्नपत्र प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC /MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का हैजिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है।छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा मेंउत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे IDSC तथाMC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः - घण्टात्रयम् **विषय :- न्यायवैशेषिकप्रवेशः** **अङ्काः - 70**

DSC 2A - DAR & MC 2- DAR (दर्शनम्)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी

भाग (क)

प्रश्न 1 इसमें प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X 7 = 14

भाग (ख)

प्रश्न 2 इसमें द्वितीय इकाई से से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2x 7 = 14

भाग (ग)

प्रश्न 3 इसमें तृतीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। 1 X 14 = 14

भाग (घ)

प्रश्न 4 इसमें चतुर्थ इकाई से से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X 7 = 14

भाग (ङ)

प्रश्न 5 यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7 x 2 = 14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
सांख्यशास्त्रपरिचयः	समय - दो घण्टे
MDC 2 - DAR (दर्शनम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- **भारतीय समृद्ध दर्शन परम्परा में सांख्यदर्शन की परम्पराओं का विशेष परिचय प्राप्त करेंगे।**

- **सांख्यदर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों को आत्मसात् करेंगे और उनमें साम्यता तथा असाम्यता का बोध करने में सक्षम होंगे।**
- **सांख्य दर्शन में आत्मा शरीरादि के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।**

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	सांख्यशास्त्रपरिचयः	आत्मनिरूपणं शरीरेन्द्रियनिरूपणं च |	I	I	15
		सत्कार्यवाद निरूपणम् |	II	I	15
		पञ्चविंशतितत्वानां निरूपणम् |	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1.कणादगौतमीयम् - आचार्य विश्वनाथकृतम् |

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

MDCका पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा मेंउत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **विषयः- सांख्ययोगपरिचयः** **अङ्काः - 50**

MDC 2 - DAR (दर्शनम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न 1. इसमें प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ख)

प्रश्न 2. इसमें द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ग)

प्रश्न 3. इसमें तृतीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6 = 12

भाग (घ)

प्रश्न 3. यह प्रश्न लघु उत्तरीय) Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना है |

7X2=14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
पदार्थप्रवेशः	समय - दो घण्टे
SEC 2 - DAR (दर्शनम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials

- 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- दर्शनशास्त्र परम्परा के अनुसार सामान्य रूप से पदार्थों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- पदार्थो के महत्त्व से परिचित होंगे|

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	पदार्थप्रवेशः	पदार्थानां परिचयः |	I	I	15
		दर्शनशास्त्रे पदार्थानां महत्त्वम् |	II	I	15
		सांख्यशास्त्रस्य अवधारणा |	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1.कणादगौतमीयम् - आचार्य विश्वनाथकृतम् |

प्रश्नपत्र प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा मेंउत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **विषयः- प्रमाणविचारः** **अङ्काः - 50**

SEC 2 - DAR (दर्शनम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रश्न 1. इसमें प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ख)

प्रश्न 2. इसमें द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ग)

प्रश्न 3. इसमें तृतीय इकाई से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (घ)

प्रश्न 3. यह प्रश्न लघु उत्तरीय) Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना है। 7 X 2 = 14

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Year

पाठ्यक्रमरूपरेखा

4

वेदशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Semester	Discipline Specific Core (DSC) Credit - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credit - 4	Minor Course (MC) Credit-4	Multidisciplinary Course (MDC) Credit-3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credit-3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credit-2	Internship/ Apprenticeship/Project/Community Outreach Credit -4	Value Addedition Courses (VAC) Credit- 2	Total Credit
Introductory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 - VED ऋग्वेदपरिचयः DSC 1 B - हिन्दी/अंग्रेजी/ इतिहास/ राजनीतिशास्त्र		MC 1 - VED ऋग्वेदपरिचयः	MDC 1- VED कर्मकाण्डप्रवेशः	SEC 1- VED पारस्करगृह्यसूत्रोक्तस् मार्तहोमविधिः	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A- VED निरुक्तम् DSC 2 B - हिन्दी/अंग्रेजी/ इतिहास/		MC 2 - VED निरुक्तम्	MDC 2- VED सामान्यपूजनविधिः	SEC 2- VED पारस्करगृह्यसूत्रोक्तविवाहसंस्कारः		I/A/P/C -1 As per Guideline of SPU Mandi	VAC- IKS (Indian Knowledge System)	24

		राजनीतिशास्त्र								
Level 4.5	Exit 1	Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (In the Shastri Course) After Securing 44 Credits in Semester-I & II								44

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
ऋग्वेदपरिचयः	समय - तीन घण्टे
DSC 1A - VED & MC 1 - VED (वेदः)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- वैदिक साहित्य और ऋग्वेद के छन्दों एवं व्याख्याकारों का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे |
- ऋग्वेद में वर्णित देवताओं के स्वरूप एवं सृष्टिसंरचना को जान पायेंगे |
- उपर्युक्त विषय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण ,अनुसंधान ,अध्यापन एवं कर्मकाण्ड से सम्बंधित व्यवसाय कर सकेंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	ऋग्वेदपरिचयः	वैदिकसाहित्यस्य सामान्यपरिचयः , वेदानामपौरुषेयत्वं ,वेदानां रचनाकालः,ऋग्वेदस्यभाष्यकारः ,ऋग्वेदे प्रयुक्तानां छन्दसां परिचयः |	I	I	15
		ऋग्वेदीय-संहितानां परिचयः ,ऋग्वेदीय ब्राह्मणग्रन्थानां परिचयः ,ऋग्वेदीयारण्यकग्रन्थानां परिचयः ,ऋग्वेदीयोपनिषदां परिचयः |	II	I	15
		ऋग्वेदे सर्गविचारः (पुरुषसूक्तम् (10.90) ,हिरण्यगर्भसूक्तम् (10.121), नासदीयसूक्तम् (10.129) |	III	I	15
		ऋग्वैदिकदेवताः (अग्निः (1.1) ,बिष्णुः(1.154), आपः (7.49)	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः 1. ऋक्सूक्तसंग्रहः - डॉ. हरिदत शास्त्री , साहित्य भण्डार मेरठ |

2. वैदिकवाङ्गमस्येतिहासः –जगदीशचन्द्रमिश्रः–चौखम्बासुरभारती प्रकाशन |

प्रश्नपत्र – प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC / MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का है जिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। DSC तथा MC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा –

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः – घण्टात्रयम् **विषयः – ऋग्वेदपरिचयः** **अङ्काः – 70**

DSC A 1– VED & MC 1 – VED (वेदः)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग क

प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 x7 = 14

भाग – ख

द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2X 7 = 14

भाग – ग

तृतीय इकाई से (क) और (ख) के रूप में दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

(क) इसमें दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक का उत्तर लिखना होगा। 1X6=6

(ख) इसमें दो मन्त्र पूछे जाएंगे जिनमें से एक मन्त्र की आधुनिक दृष्टि से सप्रसङ्ग भावगर्भित व्याख्या करनी होगी। 1X 8 = 8

भाग – घ

चतुर्थ इकाई से (क) और (ख) के रूप में दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

(क) इसमें दो विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से का उत्तर लिखना होगा। 1 X 6 = 6

(ख) इसमें दो मन्त्र पूछे जाएंगे जिनमें से एक मन्त्र की आधुनिक दृष्टि से सप्रसङ्ग भावगर्भित व्याख्या करनी होगी। 1 X 8 = 8

भाग – ङ

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों के उत्तर छात्र को लिखने होंगे। 7X 2 = 14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक मूल्यांकन
- 25	
पारस्करगृह्यसूत्रोक्तस्मार्तहोमविधिः	समय - दो घण्टे
MDC 1 - VED (वेदः)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- **स्मार्त होमविधि एवं पञ्चमहायज्ञों का विशेष ज्ञान प्राप्त करेंगे।**
- **स्मार्त यज्ञ के प्रायोगिक स्वरूप को समझ पाएँगे।**
- **स्वतन्त्र रूप से यज्ञ करवाने का कार्य करके स्वावलम्बी बन सकेंगे।**

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	पारस्करगृह्यसूत्रोक्तस्मार्तहोमविधिः	पारस्करगृह्य-सूत्रोक्तस्मार्तहोम विधिः	I	I	15
		पञ्चभूसंस्काराः, अग्निस्थापनम्, प्रणीता प्रणयनम्, कुशपरिस्तरणम्, पात्रासादनम्, आज्यनिर्वापः अधिश्रयणञ्च, उपयमनकुशादानम्, समिदाधानम्, होमविधेः सार्वत्रिकत्वकथनम्।	II	I	15
		पारस्करगृह्यसूत्रोक्तनामकरण-चूडाकरण-उपनयनसंस्कारविधिः।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. पारस्करगृह्यसूत्रम्. डॉ. सुधाकरमालवीय. चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी ।

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

MDC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः - घण्टाद्वयम् **विषयः - पारस्करगृह्यसूत्रोक्तस्मार्तहोमविधिः** **अङ्काः - 50**

MDC 1 - VED (वेदः)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - (क)

प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6 = 12

भाग - (ख)

द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6 = 12

भाग – (ग)

तृतीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6 = 12

भाग – (घ)

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक (1-3) इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7 X 2 = 14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year

पूर्णाङ्क - 75

(Equivalent to Shastri Certificate Course) लिखित परीक्षा - 50

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester आन्तरिक मूल्यांकन

- 25

कर्मकाण्डप्रवेशः समय - दो घण्टे

SEC 1 - VED (वेदः) Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials

- 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- कर्मकाण्ड और पूजनविधि का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- प्रारम्भिक कर्मकाण्ड का प्रायोगिक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
- सामाजिक स्तर पर कर्मकाण्ड का व्यवसाय कर सकेंगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	कर्मकाण्डप्रवेशः	कर्मकाण्डस्य परिचयः, वैशिष्ट्यम् उपयोगिता च, पवित्रीकरणम्, भूतशुद्धिः।	I	I	15

		स्वस्तिवाचनमन्त्राः, संकल्पयोजना, माङ्गलिकश्लोकाश्च ।	II	I	15
		नवग्रहपूजनं, पञ्चोपचार-षोडशोपचारपूजनविधिः।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. **नित्यकर्मपूजा प्रकाश चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी।**

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **विषयः - कर्मकाण्डप्रवेशः** **अङ्काः - 50**

SEC 1 - VED (वेदः)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ख)

द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2X6=12

भाग (ग)

तृतीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग (घ)

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रथम से तृतीय इकाई में से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7X2=14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
निरुक्तम्	समय - तीन घण्टे
DSC 2A - VED & MC 2 - VED (वेदः)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- वेदाङ्ग निरुक्त,भाषाविज्ञान, पदों की उत्पति और विभागों का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- शब्दनिर्वचन के सिद्धांतों ,ऋचाओं के भेदों और देवताओं के आकार-प्रकार को समझ पायेंगे |
- वैदिक शब्दों के विज्ञान सम्मत विश्लेषण एवं अध्यापन आदि का कार्य वैदिक अनुसंधान संस्थाओं में व्यवसाय के रूप में कर सकेंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	निरुक्तम्	निघण्टुपरिचयः ,निरुक्तस्य वेदांगत्वम् , पदविभागाः ,शब्दनित्यत्वविचारः ,षड्भावविकाराः |	I	I	15
		उपसर्गाणां वाचकत्वम् ,निपातानां स्वरूपं भेदाश्च, नाम्नामाख्यातजत्वम् ,मन्त्राणां सार्थकताविचारः,निरुक्तस्य प्रयोजनम् |	II	I	15
		निर्वचनसिद्धांतः ,निरुक्तस्य अधिकारी ,वर्ज्यशिष्यलक्षणम् |	III	I	15
		ऋचां त्रैविध्यम् ,देवतानां प्रकाराः आकाराश्च |	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. **निरूक्तम् ,डॉ.उमाशंकर शर्मा ऋषि ,चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान ,वाराणसी \|**
2. **निरुक्त- पञ्चाध्यायी, मेहरचन्द लछमणदास पब्लिकेशन ,नई दिल्ली \|**

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC / MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का है जिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। DSC तथा MC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः - घण्टात्रयम् **विषयः - निरुक्तम्** **अङ्काः - 70**

DSC A 2 - VED & MC 2 - VED (वेदः)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग – क

प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2 X 7=14

भाग – ख

द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2 X 7=14

भाग – ग

तृतीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2 X 7=14

भाग – घ

चतुर्थ इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2 X 7=14

भाग – ङ

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों के उत्तर छात्र को लिखने होंगे। 7X2=14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
पारस्करगृह्यसूत्रोक्तस्मार्तहोमविधिः	समय - दो घण्टे
MDC 2- VED (वेदः)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- स्मार्त होमविधि एवं पञ्चमहायज्ञों का विशेष ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- स्मार्त यज्ञ के प्रायोगिक स्वरूप को समझ पाएँगे।
- स्वतन्त्र रूप से यज्ञ करवाने का कार्य करके स्वावलम्बी बन सकेंगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	पारस्करगृह्यसूत्रोक्तविवाहसंस्कारः	पारस्करगृह्य-सूत्रोक्तविवाहसंस्कारः	I	I	15
		पञ्चभूसंस्काराः, अग्निस्थापनम्, प्रणीता प्रणयनम्, कुशपरिस्तरणम्, पात्रासादनम्, आज्यनिर्वापः अधिश्रयणञ्च, उपयमनकुशादानम्, समिदाधानम्, होमविधेः सार्वत्रिकत्वकथनम्।	II	I	15
		पारस्करगृह्यसूत्रोक्तनामकरण-चूडाकरण-उपनयनसंस्कारविधिः।	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. पारस्करगृह्यसूत्रम्. डॉ. सुधाकरमालवीय. चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी ।

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

MDC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः - घण्टाद्वयम् **विषयः - पारस्करगृह्यसूत्रोक्तविवाहसंस्कारविधिः** **अङ्काः - 50**

MDC 2 - VED (वेदः)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग क

प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग - ख

द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग - ग

तृतीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6 = 12

भाग - (घ)

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक (1-3) इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7X2=14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
सामान्यपूजनविधिः	समय - दो घण्टे
SEC 2 - VED (वेदः)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- **गणपति, दुर्गा, शिव एवं विष्णु आदि देवताओं की पूजनविधि, वैशिष्ट्य एवं उपयोगिता का अध्ययन करेंगे।**
- **उपर्युक्त देवताओं का विषेश पूजन करवा सकेंगे।**
- **समाज में आयोजित यज्ञों में भाग ग्रहण करके धनार्जन कर सकेंगे।**

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	सामान्यपूजनविधिः	गणपतिदुर्गापूजनं वैशिष्टयम् उपयोगिता च । गणपतिदुर्गास्तुतिः, स्तोत्रम् पौराणिकवैदिकमन्त्राश्च ।	I	I	15
		विष्णु (शालीग्रामपूजनम्) वैशिष्टयम् उपयोगिता च । विष्णुस्तुतिः, स्तोत्रम् पौराणिकवैदिकमन्त्राश्च	II	I	15
		शिवपूजनम्, वैशिष्टयम् उपयोगिता च । शिवस्तुतिः, स्तोत्रम् पौराणिकवैदिकमन्त्राश्च	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. नित्यकर्मपूजा प्रकाश चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी।

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः - घण्टाद्वयम् **विषयः - सामान्यपूजनविधिः** **अङ्काः - 50**

SEC 2 - VED (वेदः)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग (क)

प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग (ख)

द्वितीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग (ग)

तृतीय इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग (घ)

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रथम से तृतीय इकाई में से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 7X2=14

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Year

पाठ्यक्रमरूपरेखा

5

ज्योतिषशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Semester	Discipline Specific Core (DSC) Credit - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credit - 4	Minor Course (MC) Credit-4	Multidisciplinary Course (MDC) Credit-3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credit-3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credit-2	Internship/ Apprenticeship/Project/Community Outreach Credit -4	Value Addedition Courses (VAC) Credit- 2	Total Credit
Introductory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 - JYT प्रारम्भिकज्योतिषम् DSC 1 B - हिन्दी/अंग्रेजी/ इतिहास/ राजनीतिशास्त्र		MC 1 - JYT प्रारम्भिकज्योतिषम्	MDC 1- JYT ज्योतिषशास्त्रपरिचयः - I	SEC 1- JYT कुण्डलीविज्ञानकौशलम् - I	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A- JYT होराशास्त्रम् DSC 2 B - हिन्दी/अंग्रेजी/		MC 2 - JYT होराशास्त्रम्	MDC 2- JYT ज्योतिषशास्त्रपरिचयः - II	SEC 2- JYT कुण्डलीविज्ञानकौशलम् - II		I/A/P/C -1 As per Guideline of SPU Mandi	VAC- IKS (Indian Knowledge System)	24

		इतिहास/ राजनीतिशास्त्र								
Level 4.5	Exit 1	Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (In the Shastri Course) After Securing 44 Credits in Semester-I & II								44

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
प्रारम्भिकज्योतिषम्	समय - तीन घण्टे
DSC 1A - JYT & MC 1 - JYT (ज्योतिषम्)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- ज्योतिष शास्त्रानुसार पञ्चांग देखना सीख पायेंगे |
- भारतीय ज्योतिष अनुसार काल गणना करना |
- मुहूर्त्त निर्माण करने में सक्षम होंगे |
- राशि के स्वरूप तथा स्वामी इत्यादि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	प्रारम्भिकज्योतिषम्	कालप्रकरणम् ,सौरचान्द्रसावननाक्षत्राधिमासक्षयमासपरिभाषा मासानामानि च |	I	I	15
		पञ्चाङ्गप्रकरणम् ,तिथिवारनक्षत्रयोगकरणज्ञानम् |	II	I	15
		तिथिवारनक्षत्रसहायेनशुभाशुभयोगाः , सिद्धियोगः ,अमृतसिद्धियोगः अन्ययोगाश्च |	III	I	15
		ग्रहराशिस्वरूपाणां विस्तारेण परिचयः |	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -1. बृहदहोड़ाचक्रम् - श्यामदेव झा शर्मणा , चौखम्बा पब्लिशर्स |

2.मुहूर्तचिन्तामणि, राम दैवज्ञ, चौखम्बा पब्लिशर्स |

प्रश्नपत्र प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC / MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का है जिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। DSC तथा MC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा –

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः –घण्टात्रयम् **विषयः – प्रारम्भिकज्योतिषम्** **अङ्काः – 70**

DSC 1 A – JYT & MC 1 – JYT (ज्योतिषम्)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग – क

इसमें प्रथम इकाई में से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X7=14

भाग – ख

इसमें द्वितीय इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X7=14

भाग – ग

इसमें तृतीय इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X7=14

भाग – घ

इसमें चतुर्थ इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X7=14

भाग – ङ

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई (1-4) से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 7X2-14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
ज्योतिषशास्त्रपरिचयः -1	समय - दो घण्टे
MDC 1 - JYT (ज्योतिषम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- **पाठ्यक्रम से ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय एवं उसकी उपयोगिता को समझ पायेगा।**
- **पंचाग की दैनिक उपयोगिता एवं मुहूर्त ज्ञान से अवगत होंगे।**
- **ज्योतिष की इस विधा के अध्ययन से कुंडली का फलादेश करने में सक्षम होंगे।**
- **स्वरोजगार के साधन सृजितकर स्वावलम्बी होंगे।**

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	ज्योतिषशास्त्रपरिचयः -1	ज्योतिषशास्त्र-ज्योतिषशास्त्रस्य स्वरूपम्, भेदाः पञ्चाङ्गपरिचयश्चा |	I	I	15
		राशिग्रहादीनां विवेचनम् |	II	I	15
		सामान्यमुहूर्तज्ञानम् |	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. बृहदहोडाचक्रम् श्री श्यामदेव झा शर्मणा, चौखम्भा पब्लिशर्स

प्रश्नपत्र – प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

MDC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **ज्योतिषशास्त्रपरिचयः-I** **अङ्काः - 50**

MDC 1 - JYT (ज्योतिषम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - क

इसमें प्रथम इकाई में से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X6=12

भाग - ख

इसमें द्वितीय इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 2X6=12

भाग - ग

इसमें तृतीय इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X6 = 12

भाग - घ

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक (1-3) इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7X 2-14

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
कुण्डलीविज्ञानकौशलम् -1	समय - दो घण्टे
SEC 1 - JYT (ज्योतिषम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- **पञ्चांग के माध्यम से कुण्डली निर्माण करने में सक्षम होंगे ।**
- **जन्मकुण्डली निर्माण कर स्वरोजगार प्राप्त करेंगे ।**
- **ज्योतिष की इस विधा के अध्ययन से कुंडली का फलादेश करने में सक्षम होंगे।**

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	कुण्डलीविज्ञानकौशलम् -1	पञ्चाङ्गपरिचयः ,गोचरसारणी ग्रहस्पष्टीकरणञ्च |	I	I	15
		इष्टकालः,भयात-भभोगौ,चन्द्रस्पष्टीकरणसाधनं,पलभा चरखण्डश्च |	II	I	15
		सूर्यादिग्रहाणां स्पष्टीकरणसाधनं |	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. जन्मपत्र दीपक, श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी श्चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणासी।

2. **भारतीय कुण्डली विज्ञान, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान।**

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयःघण्टाद्वयम् **विषयः - कुण्डलीविज्ञानकौशलम्-I** **अङ्काः - 50**

SEC 1 - JYT (ज्योतिषम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - क

प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग - ख

द्वितीय इकाई ने सम्बन्धित चार प्रश्न गणित के रूप में पूछे जाएंगे, चार में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। 2X6=12

भाग - ग

तृतीय इकाई से सम्बन्धित चार प्रश्न पूछे जाएंगे, चार में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। 2 X 6=12

भाग – घ

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रथम से तृतीय इकाई में से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7X2-14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 100	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 70
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 30	
होराशास्त्रम्	समय - तीन घण्टे
DSC 2A - JYT & MC 2 - JYT (ज्योतिषम्)	Credit - 4 , Lectures - 4 , Tutorials - 0

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- मानव जीवन पर ग्रहों के प्रभाव से परिचित होंगे |
- जन्मपत्रिका के माध्यम से फलादेश करने में समर्थ होंगे |
- द्वादश भावों के विचारणीय विषयों पर विचार करने में सक्षम होंगे |

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
II	होराशास्त्रम्	होरास्वरूपम् ,विद्वत्प्रशंसा,द्वादशभावानां नामानि केन्द्रादिसंज्ञा च |	I	I	15
		ग्रहमैत्री,ग्रहदृष्टिः , ग्रहाणां राश्याधिपत्यञ्च |	II	I	15
		भावफलम् -प्रथमभावतः पञ्चमभावपर्यन्तं शुभाशुभभावफलम् |	III	I	15
		भावफलम् -षष्ठभावतः द्वादशभावपर्यन्तं शुभाशुभभावफलम् |	IV	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. **जातकालङ्कारः - श्री गणेश दैवज्ञ ,चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान ,वाराणसी |**

प्रश्नपत्र प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

DSC / MC / DSE का पाठ्यक्रम 100 अंकों का है जिसमें लिखित परीक्षा 70 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 30 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 15 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। DSC तथा MC इन दोनों विषयों के लिए यह समान प्रश्न पत्र है। प्रश्नपत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

प्रथमसत्रार्द्धम् / First Semester

समयः -घण्टात्रयम् **विषयः - प्रारम्भिकज्योतिषम्** **अङ्काः - 70**

DSC 2 A - JYT & MC 2 - JYT (ज्योतिषम्)

प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे प्रत्येक भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - क

इसमें प्रथम इकाई में से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X7=14

भाग - ख

इसमें द्वितीय इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X7=14

भाग – ग

इसमें तृतीय इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X7=14

भाग – घ

इसमें चतुर्थ इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X7=14

भाग – ङ

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक इकाई (1-4) से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 7X2-14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
ज्योतिषशास्त्रपरिचयः -II	समय - दो घण्टे
MDC 2 - JYT (ज्योतिषम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- पाठ्यक्रम से ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय एवं उसकी उपयोगिता को समझ पायेगा।
- पंचाग की दैनिक उपयोगिता एवं मुहूर्त ज्ञान से अवगत होंगे।
- ज्योतिष की इस विधा के अध्ययन से कुंडली का फलादेश करने में सक्षम होंगे।
- स्वरोजगार के साधन सृजितकर स्वावलम्बी होंगे।

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः
I	ज्योतिषशास्त्रपरिचयः -II	ज्योतिषशास्त्र-ज्योतिषशास्त्रस्य स्वरूपम्, भेदाः पञ्चाङ्गपरिचयश्चा |	I	I	15
		राशिग्रहादीनां विवेचनम् |	II	I	15

		सामान्यमुहूर्तज्ञानम् |	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. **बृहदहोडाचक्रम् श्री श्यामदेव झा शर्मणा, चौखम्भा पब्लिशर्स**

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

MDC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयः -घण्टाद्वयम् **ज्योतिषशास्त्रपरिचयः-I** **अङ्काः - 50**

MDC 2 - JYT (ज्योतिषम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - क

इसमें प्रथम इकाई में से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X6=12

भाग – ख

इसमें द्वितीय इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा। 2X6=12

भाग – ग

इसमें तृतीय इकाई से चार पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2X6 = 12

भाग – घ

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रत्येक (1-3) इकाई से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7X 2-14

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

Shastri 1st Year	
पूर्णाङ्क - 75	
(Equivalent to Shastri Certificate Course)	लिखित परीक्षा - 50
द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester	आन्तरिक
मूल्यांकन - 25	
कुण्डलीविज्ञानकौशलम् -1	समय - दो घण्टे
SEC 2 - JYT (ज्योतिषम्)	Credit - 3 , Lectures - 3, Tutorials
- 0	

अधिगम प्रतिफल (Course Outcomes) -

- **पञ्चांग के माध्यम से कुण्डली निर्माण करने में सक्षम होंगे ।**
- **जन्मकुण्डली निर्माण कर स्वरोजगार प्राप्त करेंगे ।**
- **ज्योतिष की इस विधा के अध्ययन से कुंडली का फलादेश करने में सक्षम होंगे।**

सत्रार्द्धम्	विषयः	पाठ्यक्रमविवरणम्	यूनिट्	क्रेडिट्	घण्टाः

I	कुण्डलीविज्ञानकौशलम् -II	पञ्चाङ्गपरिचयः ,गोचरसारणी ग्रहस्पष्टीकरणञ्च |	I	I	15
		इष्टकालः,भयात-भभोगौ,चन्द्रस्पष्टीकरणसाधनं,पलभा चरखण्डश्च |	II	I	15
		सूर्यादिग्रहाणां स्पष्टीकरणसाधनं |	III	I	15

अनुशंसितग्रन्थाः -

1. जन्मपत्र दीपक, श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी श्चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणासी।
2. भारतीय कुण्डली विज्ञान, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान।

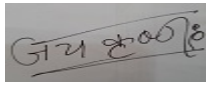

प्रश्नपत्र - प्रारूप

(परीक्षक के लिए दिशा निर्देश)

SEC का पाठ्यक्रम कुल 75 अंकों का है। जिसमें लिखित परीक्षा 50 अंकों की तथा आन्तरिक मूल्याङ्कन 25 अंकों (Attendance 5 Marks, Class Test 10 Marks, Assignments and Presentations 10 marks) का है। छात्र को आन्तरिक (Internal), प्रायोगिक (Practical) और अन्तिम समेस्टर (End Semester) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अलग अलग 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य होंगे। प्रश्न-पत्र का निर्माण सरल संस्कृत भाषा में करना होगा, जिसका प्रारूप अधोलिखित रहेगा -

शास्त्री (B.A.)

द्वितीयसत्रार्द्धम् / Second Semester

समयःघण्टाद्वयम् **विषयः - कुण्डलीविज्ञानकौशलम्-I** **अङ्काः - 50**

SEC 2 - JYT (ज्योतिषम्)

प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होंगे। एक से तीन भाग 12-12 अंक के होंगे तथा चौथा भाग 14 अंक का होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत भाषा होगी।

भाग - क

प्रथम इकाई से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों का उतर छात्र को लिखना होगा। 2 X 6=12

भाग - ख

द्वितीय इकाई ने सम्बन्धित चार प्रश्न गणित के रूप में पूछे जाएंगे, चार में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। 2X6=12

भाग – ग

तृतीय इकाई से सम्बन्धित चार प्रश्न पूछे जाएंगे, चार में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। 2 X 6=12

भाग – घ

यह प्रश्न लघु उत्तरीय (Short answer) होगा। इसमें प्रथम से तृतीय इकाई में से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से सात प्रश्नों का उत्तर छात्र को लिखना होगा।

7X2-14